गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय की छात्रा विद्यावती वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के ड्यूल डॉक्टरेट प्रोग्राम के लिए चयनित

पंतनगर। 16 जून 2025। मटकोटा फॉर्म, पंतनगर निवासी एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय की पीएच.डी. शोधार्थी विद्यावती का चयन वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ संयुक्त रूप से संचालित ड्यूल डॉक्टरेट प्रोग्राम के लिए हुआ है। वह इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय की दूसरी शोधार्थी हैं। विद्यावती वर्तमान में डा. आर.एस. जादौन के निर्देशन में शोध कार्य कर रही हैं। विद्यावती के माता–पिता श्री राधेश्याम एवं श्रीमती गायत्री चौरसिया अम्बेडकर नगर, अयोध्या के निवासी हैं। विद्यावती अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने शोध निर्देशक डा. आर.एस. जादौन, डा. एच.जे. शिवा प्रसाद, कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के सभी शिक्षकगणों, गुरुजनों, अपने परिवार तथा पति गोपाल जायसवाल और भाइयों संतोष एवं विकास को देती हैं।

डीडीपी पंतनगर विश्वविद्यालय और वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (डब्ल्यूएसयू) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत एक संयुक्त डिग्री कार्यक्रम है, जिसके तहत विद्यावती को दो डॉक्टरेट डिग्री पुरस्कृत की जाएगी, जिसमें एक घरेलू संस्थान यानी गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर और दूसरी मेजबान संस्थान डब्ल्यूएसयू द्वारा पुरस्कृत की जाएगी। विद्यावती पंतनगर विश्वविद्यालय की दूसरी शोधार्थी हैं, जिनका चयन डीडीपी के लिए हुआ है। वह लगभग एक वर्ष तक वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य करेंगी। इस दौरान उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से प्रति वर्ष तैंतीस हज़ार पाँच सौ बारह ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की छात्रवृत्ति तथा शोध–संबंधी कार्यों के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। विद्यावती ने अपनी स्नातक शिक्षा (बीबीए) वीएमयू, लखनऊ से एवं स्नातकोत्तर (एमबीए) डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (डीएसएमएनआरयू), लखनऊ से पूर्ण की है। वर्तमान में वह कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, पंतनगर में पीएचडी कर रही हैं। विद्यावती ने कहा कि वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के साथ दोहरे डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए उनका चयन न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पंतनगर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमता और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता का भी प्रमाण है।

विद्यावती की इस उपलब्धि पर पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक डा. एच.जे. शिवा प्रसाद, अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों एवं डा. दिलुपा नाकंदला वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय डब्लूएसयू के सभी प्राध्यापकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।